



१४१८

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2001

No. 2001

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 14, 1985/आश्विन 22, 1907  
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 14, 1985/ASVINA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1985

अधिसूचना

मं. एफ. 4(5) इन्डिया एंड एस / 85--9.00 प्रतिशत ऋण, 1990, 10.80 प्रतिशत ऋण, 2008 (दमरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (तोमरा निर्गम) के लिए 900 करोड़ रुपयों की कुल राशि के बास्ते 24 अक्टूबर, 1985 को बैंकिंग समय को गमान्नि तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परकास्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 24 अक्टूबर, 1985 को छुट्टी घोषित किये जान पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समान्नि तक सर्वाधित आदाना कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 900 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2 यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 990 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिदानाओं को ऋणों के संदर्भ में आनुपातिक अधिकार पर आंशिक आवंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3 रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 24 अक्टूबर, 1990 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.00 प्रतिशत ऋण 1990।

(i) बापमी अदायगी की तारीख—ऋण 21 अक्टूबर, 1990 को सममूल्य पर बापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) आप्रति —इस अर्णु की ब्याज दर 21 अक्टूबर, 1985 से वार्षिक 9.00 प्रतिशत होगा। प्रत्येक छमाही में 24 अप्रैल और 24 अक्टूबर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम् 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 22 जुलाई, 2008 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.80 प्रतिशत अरण, 2008 (इमरा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख —अरण 22 जुलाई, 2008 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य —प्रत्येक रु. 1000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) ब्याज —इस अरण की ब्याज दर 24 अक्टूबर, 1985 से वार्षिक 10.80 प्रतिशत होगी। 24 अक्टूबर, 1985 से 21 जनवरी 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए ब्याज 22 जनवरी, 1986 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 22 जुलाई और 22 जनवरी को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम् 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 21 मई, 2015 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत अरण, 2015 (तीसरा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख —अरण 21 मई, 2015 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य —प्रत्येक रु. 1000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) ब्याज —इस अरण की ब्याज दर 24 अक्टूबर, 1985 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 24 अक्टूबर, 1985 से 20 नवम्बर, 1985 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 21 नवम्बर, 1985 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 मई और 21 नवम्बर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम् 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

#### पूरक व्यवस्थाएँ

6. आवेदन-पत्र निम्ननिवित्त कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, वर्बई (फोर्ट और भायबला), कलकत्ता, गोहाटी हैदराबाद जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क)में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिन मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन अरणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, वर्बई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक अरण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा मिक्रिम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर को वापसी अदायगी उन अरण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं हैं या जिन पर ऐसो दरों पर कर लागू होता हैं जो काटे गये कर को दर से कम हैं।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिसे के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें वह प्राप्तिकृत किया गया हो कि कर की कटाई किये बिना या धारक पर लागू होनेवाली न्यूनतम् दर पर कर की कटाई कर सके उसे ब्याज अदा किया जाएगा।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटाई किये बिना ब्याज की गणि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जाने वाले अट्ठों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय की वापिक 7000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जानेवाले अट्ठों में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और मरमि कर अधिनियम का धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी संपन्न कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएँगी—

(i) स्टाक प्रमाणपत्र ; या (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक दृष्टमें से किसी का उल्लेख न करे तो स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतिया जारी की जाएँगी।

12. अट्ठों के लिए, आवेदनपत्र—अट्ठों के लिए आवेदनपत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए, जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों को राशि और विवरण आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज को अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकरी या चैक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चैक संवित्र बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से कृष्ण आवेदन पत्रों पर किये गये आवंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत आर उनकी मुहरयुक्त कृष्ण आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 केसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक वाणिज्य और महकारी बैंक उनके अपने अभिदानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होगे।

दलाली को अदायगों के लिए कृष्ण जारा किये जाने को नारोड्र में छः मात्रों के भोनर संवंधित कार्यालयों से दावा पेश किया जाना चाहिए।

गष्टपति के आदेश से,  
ए. रागचारी, संयुक्त सचिव

## आवेदन-पत्र का फार्म

मेरे हम \*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ यह \_\_\_\_\_ स्पष्ट है कि इसकी विभागीय विवरणों में उल्लिखित मूल्य वर्ग / मूल्य वर्गों के बचनपत्र/पत्रों के रूप में संग्रहीत हुए हैं।

लिए नकदी\* प्रस्तुत करना हुआ है और यह अनुग्रह करता है / करने हैं कि मुझे/हमें\* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग / मूल्य वर्गों चैक

के बचनपत्र/पत्रों के रूप में संग्रहीत हुए हैं कि इसकी विभागीय विवरणों में उल्लिखित मूल्य वर्ग / मूल्य वर्गों के बचनपत्र/पत्रों के रूप में संग्रहीत हुए हैं।

2008 (दूसरा निर्गम)\*/11,50 प्रतिशत श्रृंग, 2015 (तांसरा निर्गम)\* को प्रतिमूलिक जरूरी की जाएँ।

प्रति बचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... बचनपत्र

प्रतिवचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... बचनपत्र

प्रति बचनपत्र रु० ..... का (के) + ..... बचनपत्र

2. मेरे हम\* चाहता हूं / चाहते हैं कि उनका व्याज \_\_\_\_\_ में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें/प्रतिटियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएँगी।

	आवेदन पत्र सं.	दिनांक
आवेदन पत्र सं.	.....	हस्ताक्षर .....
“दलाली नहीं”* मुहर	.....	पूरा (पूरे) नाम .....
नकदी प्राप्त हीने की तारीख	.....	पता .....
चैक वसूल हीने की तारीख	.....	.....
विशेष चालू खाते से	.....	.....
जमा करने की तारीख	.....	.....
जांच की गयी	.....	.....
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया	.....	.....
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया	.....	.....
भाग पत्र सं.	.....	.....
प्रतिभूति सं.	.....	.....
कार्ड सं.	.....	.....
बाउचर पारित करने की तारीख	.....	.....

दिनांक—अक्टूबर 1985

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

+ बचनपत्र रु. 1,000, रु. 5,000, रु. 10,000, रु. 25,000, रु. 50,000 रु. और 1,00,000 रु० के मूल्य वर्ग जारी में किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहां उल्लेख करें।

टिप्पणियाः (1) प्रत्येक श्रृंग, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये श्रृंग की प्रत्येक प्रकार की प्रतिमूलि (स्टाक प्रमाणपत्र व बचनपत्र के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो वह व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियां के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि व लोक श्रृंग कार्यालय में पहने ही पंजीकृत न किये गये हों तो सलग किये जाएँ—

(i) निगमन/रंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के जापन पत्र और अंतिम या नियमों और विभिन्न उप-नियमों की प्रभागित प्रतिलिपि।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिमूलियों का नेतृत्व करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उभेके / उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर / हस्ताक्षरों के साथ।

(4) जो आवेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिमूलिया प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही व्याज के प्रेषण के लिए प्रोदेश फार्म (लोक श्रृंग कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 14th October, 1985

## NOTIFICATION

No. F. 4 (5) W&M/85.—Subscriptions for the issues of 9.00 per cent. Loan, 1990, 10.80 per cent. Loan, 2008 (Second Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2015 (Third Issue) for an aggregate amount of Rs. 900 crores will be received in the form of cash on the 24th October 1985 upto the close of Banking hours. In the event of 24th October, 1985 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 900 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 990 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 9.00 per cent. Loan, 1990 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 24th October 1990.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 24th October 1990.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 9.00 per cent. per annum from 24th October 1985. Interest will be paid half-yearly on the 24th April and 24th October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 10.80 percent Loan, 2008 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 22nd July 2008.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 22nd July 2008.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.80 per cent. per annum from 24th October 1985. Interest for the period from 24th October 1985 to 21st January 1986 (inclusive) will be paid on 22nd January 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 22nd July and 22nd January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent. Loan, 2015 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 21st May 2015.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st May 2015.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 24th October 1985. Interest for the period from 24th October 1985 to 20th November 1985 (inclusive) will be paid on 21st November 1985 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st May and 21st November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto the limit specified in the Act.

11. The Securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates; or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicant, the Securities will be issued in the form of Stock Certificates.

12. APPLICATIONS FOR THE LOANS.—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks-Commercial and Co-operative banks-will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,

A. RANGACHARI, Jt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We\* .....

(Full Name(s) in Block Letters)

herewith tender Cash for Rs. .... (Rupees....) Cheque

and request that Securities of 9.00 per cent. Loan, 1990\*/10.80 per cent. Loan, 2008 (Second Issue)\*/11.50 per cent. Loan, 2015 (Third Issue)\* of the nominal value of Rs. ....

may be issued to me/us\* in the form of

\*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate.

.....	Promissory Note(s)+of Rs. ....	each.
.....	Promissory Note(s)+of Rs. ....	each.
.....	Promissory Note(s)+of Rs. ....	each.

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N.B. The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving office.

Signature(s) .....

Name(s) in full .....

(Block Letters)

	Initials	Date	
Applicant No .....			
N.B. Stamp .....			Address .....
Cash .....			
Received on .....			
Cheque .....			
Realised on .....			
Credited to .....			
Special Current .....			
Account on .....			
Examined .....			
Cash .....			
Applications .....			Dated the .....
Register .....			of
Posted .....			October 1985.
Brokerage .....			
Register .....			
Posted .....			
Indent No .....			
Scrip No .....			
Card No .....			
Voucher .....			
passed on .....			

\*Delete what is not required.

Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000, and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes :—(1) Separate applications should be made for each Loan each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the person(s) authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.